पति से शराब छोड़ने का वादा लेकर बनी थी सरंपच

शहडोल (नईदुनिया प्रतिनिधि) राजनीति के खेल में जो लोग माहिर होते हैं और जनता में जिनकी अच्छी पकड़ होती है कुर्सी उनके लिए दूर नहीं होती फिर चाहे कुर्सी विधायक की हो या फिर सरपंची की । शहडोल जिले के सोहागपुर जनपद अंतर्गत बेम्हौरी ग्राम पंचायत की सरपंची पिछले 22 सालों से एक ही परिवार के पास है ।वर्ष 2001 में यहां नत्थूलाल बैगा सरपंच के रूप में चुने गए थे उस समय उनकी उम्र 28 वर्ष थी ।वे लगातार दस साल तक यानी 2010 तक सरपंच की कुर्सी पर काबिज रहे ।इसके बाद 2010 में जब सीट महिला हो गई तो इन्होंने अपनी पत्नी दशोदिया को चुनाव लड़ने के लिए कहा लेकिन पत्नी ने मना कर दिया था ।नत्थूलाल ने अपनी पत्नी से चुनाव लड़ने के लिए खूब समझाया लेकिन इनकी पत्नी दसोदिया बैगा

नत्थूलाल और दशोदिया बैगा ।

ने साफ तौर पर कह दिया कि मैं तभी चुनाव लड़ूंगी जब आप शराब पीना बंद करोगे ।

पति ने माना प्रस्ताव तो और दशोदिया बनीं सरपंचः पत्नी के इस प्रस्ताव को नत्थूलाल ने स्वीकार कर लिया और उन्होंने गांव वालों के सामने ही संकल्प लिया कि अब वह कभी शराब नहीं पीयेंग और ऐसा संकल्प उन्होंने न सिर्फ खुद लिया बल्कि गांव के 30 से 40 युवाओं को भी इस तरह का संकल्प दिलाया । आज तक यह संकल्प नत्थूलाल पूरा करते चले आ रहे हैं । जब नत्थूलाल ने यह संकल्प ले लिया कि वह शराब नहीं पिएंगे तो उनकी पत्नी दसोदिया चुनाव लड़ने के लिए तैयार हो गई और फिर 2010 से 2015 तक वह गांव की सरपंच बनकर गांव मुखिया बन गईं ।

दशोदिया खुद निरक्षर पर समझती हैं शिक्षा का महत्वः दशोदिया खुद निरक्षर हैं और मां बाप ने इनको नहीं पढ़ाया लेकिन यह शिक्षा की कीमत समझती हैं । इन्होंने अपने बेटे को इंटर मीडिएट तक पढ़ाया और बहू भी 12वीं पास लेकर आईं । 2015 में जब गांव की सरपंच की सीट पुरूष हो गई तो इनके पति नत्थूलाल फिर चुनाव लड़े और वह जीत गए । 2015 से अब तक वह सरपंच हैं । वर्ष 2017 में नत्थूलाल को किसी ने बताया कि आप बैचलर आफ सोशल वर्क यानी बीएसडब्ल्यू का कोर्स कर लीजिए तो इन्हें बात अच्छी लगी और अपनी पत्नी को बताया कि मैं इस कोर्स को कर लूं तो दशोदिया ने कहा कि आप अकेले क्यों यह कोर्स करते हो बेटा और बहू को भी यह कोर्स कराओ और फिर पत्नी के कहने पर इन्होंने जन अभियान परिषद द्वारा चलाए जा रहे बीएसडब्ल्यू कोर्स को अपने बेटा और बहू के साथ पूरा किया ।इन्होंने 2017-18 में चित्रकूट विश्वविद्यालय से मिलने वाली बीएसडब्ल्यू की डिग्री प्राप्त की और अब समाजसेवा के क्षेत्र में काम रहे हैं। इस बार गांव की सीट फिर महिला हो गई है और दशोदिया फिर मैदान में हैं ।